भारतीय संस्कृति में झलकती श्रेष्ठ मूल्यों की देन



इंदौर-म.प्र.। ज्ञान शिखर ओम शांति भवन में ब्रह्माकुमारीज़ कला एवं संस्कृति प्रभाग द्वारा कलाकार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी ने कहा कि प्रेम, शांति और सद्भावना की कमी से आज मनभेद एवं मतभेद बढ़ रहे हैं, जिससे पारिवारिक संबंधों में तनाव और दूरी बढ़ रही है। ऐसे समय में राजयोग जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाली श्रेष्ठ कला है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति के श्रेष्ठ मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है। परमात्मा राजयोग की शिक्षा देकर श्रेष्ठ विचारों एवं दिव्य संस्कारों के निर्माण की शिक्षा दे रहे हैं।

मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कला भी साधना है, जिससे ईश्वर की अनुभूति होती है। कला में प्रेम का समावेश उसे उच्च कोटि का बनाता है।

इदौर ज़ोन की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने कहा कि भारतीय संस्कृति 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना पर आधारित रही है। मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. सतीश ने कहा कि कला वही है जो सबका कल्याण करे। कार्यक्रम के दौरान सांसद शंकर लालवानी भी उपस्थित रहे। कला एवं संस्कृति प्रभाग की क्षेत्रीय संयोजिका ब्र.कु. करुणा ने राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई। मंच का कुशल संचालन साईनाथ सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सीमा ने किया।

कार्यक्रम में...

- कुमारियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां रहीं आकर्षण का केंद्र
- 60 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कलाकार सम्मानित
- 350 कलाकारों ने लिया भाग
- कला को साधना एवं ईश्वर अनुभूति का माध्यम बताया गया
- भारतीय संस्कृति और सद्भावना का संदेश



अजमेर-राज.। नशा मुक्त होने और नशा छुड़वाने की सेवा करने पर ब्र.कु. रमेश को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करते हुए उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं विधायक श्रीमती अनीता भदेल।



रुड़की-उत्तराखंड। 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के अंतर्गत बीटी गंज बाजार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा, महापौर अनीता अग्रवाल, राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी तथा अन्य अधिकारियों को प्रतिज्ञा कराते हुए ब्र.कु. गीता।



देहरादून-उत्तराखंड। ब्रह्माकुमारीज़ धार्मिक प्रभाग की चेयरपर्सन रही राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेमलता बहन के पूर्व पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर 'विश्व उत्कर्ष के लिए आध्यात्मिक जागृति' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूरी, कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत, राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी, खटीमा विधायक विनोद चमोली, ब्रह्माकुमारीज़ महिला विंग की राष्ट्रीय संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी, ब्र.कु. मीना बहन एवं ब्र.कु. सुशील।

मानसरोवर में त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

देशभर के लगभग 2000 मीडिया बंधुओं ने लिया हिस्सा

शांतिवन-मानसरोवर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया विंग द्वारा चार दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन का मानसरोवर के दिव्य शक्ति अनुभूति हॉल में "श्रेष्ठ विश्व के निर्माण हेतु सशक्त मीडिया" विषय पर भव्य उद्घाटन सत्र का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. मान सिंह परमार, नई दिल्ली से भारत न्यूज़ नेटवर्क के सीईओ डॉ. सरफराज सैफी, न्यूज़ इंडिया टीवी के एडिटर इन चीफ रणा यशवंत, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से विभागाध्यक्ष प्रो. संजय द्विवेदी, मीडिया एवं पीआर विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. करुणा, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा ब्र.कु. सरला बहन, राष्ट्रीय संयोजक राजयोगी ब्र.कु. निकुंज, जयपुर से सबज़ोन इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी, मीडिया विंग की ज़ोनल कोऑर्डिनेटर राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रकला दीदी उपस्थित रहे।

राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहा कि भारत विश्व गुरु बने इसके लिए हम सबको मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरा आप सभी मीडिया बंधुओं से आग्रह है कि आप सुबह के समय राजयोग सत्र में जरूर शामिल हों ताकि आपका मन शांत और शक्तिशाली बने।

मुख्य वक्ता डॉ. मान सिंह परमार ने कहा कि पूरे विश्व में जब हम श्रेष्ठ विश्व की बात करते हैं तो हम देखते हैं कि इस समय विश्व की हालत क्या है। हमें शांति, एकता, विश्वास की भावना के साथ ऐसा विश्व चाहिए जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ सके। आज हमें और मीडिया जगत के साथियों को सूचना और समाचार में अंतर करने की गहन आवश्यकता है। उन्होंने विश्लेषण करते हुए बताया कि एक सूचना समाज को तोड़ सकती है तो वहीं एक समाचार ऐसा होता है जो लोगों को जोड़ सकता है। उन्होंने कहा कि एआई टूल हो सकता है लेकिन मनुष्य का विकल्प कभी नहीं हो सकता है।

शुभारम्भ के मौके पर श्रेष्ठ विश्व के निर्माण हेतु सशक्त मीडिया थीम पर दिल्ली से आये अतिथि डॉ. सरफराज सैफी ने कहा कि आज हम कई बार वायरल पोस्ट को सच मान लेते हैं लेकिन उसकी पड़ताल नहीं करते हैं। आज के समय में हम सबको बहुत सकारात्मक होने की जरूरत है, ब्रह्माकुमारीज़ इस दिशा में अच्छा काम कर रही है।

रणा यशवंत ने कहा कि इस साइंस और टेक्नोलॉजी के दौर में हम सभी एक बहुत खतरनाक मोड़ पर खड़े हैं, इसकी भनक हमें नहीं है तो हम धोखे में हैं। हमें श्रेष्ठ विश्व के निर्माण के लिए एक नई इमारत खड़ी करने की दिशा में सोचना होगा।



उन्होंने कहा...

- एआई टूल हो सकता है लेकिन मनुष्य का विकल्प कभी नहीं : प्रो. डॉ. मान सिंह परमार
- हमें एआई का सकारात्मक प्रयोग करना चाहिए - रणा यशवंत
- आज हम सबको बहुत सकारात्मक होने की जरूरत है - डॉ. सरफराज सैफी
- त्रि-दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन में हुआ विभिन्न विषयों पर मंथन

प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि जहाँ पर संवाद के साथ संचार नहीं होगा तो झगड़े शुरू होंगे, लेकिन हम संवाद के माध्यम से अपनी समस्या का समाधान कर सकते हैं। आदमी से इंसान बनने का एक प्रोसेस है जिसे ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान और समाज उस दिशा में हमें ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया की पहली चीज़ आज भरोसा है, भरोसा तब होता है जब आप सच के साथ खड़े होते हैं।

ब्र.कु. निकुंज ने भी अपने विचार रखे। राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी ने दिव्य शक्ति अनुभूति हॉल में सभी को राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई, जिससे एक सकारात्मक एहसास अतिथियों में देखने को मिला। कार्यक्रम का कुशल संचालन राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रकला दीदी ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ परमात्म स्मृति से हुआ। इसके पश्चात् अतिथियों को बैज, बुके एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया तथा मधुरवाणी ग्रुप द्वारा दिव्य गीत की प्रस्तुति दी गई। नृत्य कला डांस अकादमी जलेश्वर ओडिशा द्वारा मनमोहक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस दौरान ब्र.कु. सरला बहन ने सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया।



शांतिवन-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के पूर्व महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन के प्रथम पुण्य स्मृति दिवस पर डायमण्ड हॉल में आयोजित 'सबका मालिक एक' सर्वधर्म सभा में उपस्थित रहे संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, संस्थान के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. करुणा, अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय, ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, सहारनपुर दिव्य शक्ति अखाड़ा के महामंडलेश्वर संत आचार्य कमल किशोर जी महाराज, जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के वाइस प्रेसीडेंट प्रो. मोहम्मद सलीम, भारतीय सर्वधर्म संसद के नेशनल कन्वेनर एवं महर्षि भृगु पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर गोस्वामी सुशील जी महाराज, दिल्ली पारसी अंजुमन के ट्रस्टी मर्जबन नरीमन जैपचाला, इंस्टीट्यूट ऑफ हार्मनी एंड पीस स्टडीज के फाउंडर डॉ. एम.डी. थॉमस, टेम्पल ऑफ अंडरस्टैंडिंग इंडिया फाउंडेशन के महासचिव डॉ. ए.के. मर्चेंट, आत्म हरि मंदिर,पटौदी के महामंडलेश्वर स्वामी चन्दिव जी महाराज, सिक्ख स्कॉलर एंड इंटरफेथ लीडर के चेयरमैन सरदार परमपाल सिंह, बहाई ऑफिस ऑफ पब्लिक अफेयर्स की डायरेक्टर मिसेज कासमेल मोहबिलपुर त्रिपाठी, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति फिरोज बख्त अहमद, जूना अखाड़ा,हरिद्वार के महामंडलेश्वर परमहंस स्वामी प्रबुद्धानंद गिरि जी महाराज, तिब्बतन पार्लियामेंट इन एक्साइल के पूर्व स्पीकर आचार्य येशी पुण्टोस्क तथा आध्यात्मिक गायक व प्रेरक बालवक्ता कुमारी हंसी।